बहुविकल्पी प्रश्न

1. **किस स्थान पर 1906 में इंपीरियल वन अनुसंधान केंद्र की स्थापना की गई?**
   (अ) बैंगलोर (ब) नागपुर
   (स) देहरादून (द) बस्तर

2. **विश्व के क्षेत्रफल का कितने प्रतिशत क्षेत्र सन् 1700 से 1950 के बीच उद्योगों, कृषिभूमि, चरागाहों एवं जलावन के लिए लकड़ी हेतु साफ कर दिया गया?**
   (अ) 8.5% (ब) 11.8%
   (स) 9.3% (द) 10.3%

3. **भारत में पवित्र वनों को किस नाम से पुकारा जाता है?**
   (अ) सभी विकल्प सही हैं (ब) कान
   (स) दैवराकुड्ड (द) सरना

4. **औपनिवेशिक काल के दौरान वनों का तेजी से सफाया क्यों हुआ?**
   (अ) लकड़ी की माँग को पूरी करने के लिए। (ब) सभी
   (स) वनों को व्यर्थ का बियाबान समझा जाता था। (द) वाणिज्यिक फसलों की माँग पूरी करने के लिए।

5. **अंग्रेजों के आने के समय भारत का लगभग कितना भाग कृषि योग्य था?**
   (अ) 1/6 भाग (ब) 1/3 भाग
   (स) 1/4 भाग (द) 1/10 भाग

6. **एक या दो साल खेती करने के बाद जिस भूमि को खाली छोड़ दिया जाता है उसे क्या कहते हैं?**
   (अ) उपजाऊ भूमि (ब) परती भूमि
   (स) बंजर भूमि (द) उत्खात भूमि

7. **एक मील लंबी रेल पटरी बिछाने के लिए लकड़ी के बने कितने स्लीपरों की आवश्यकता पड़ती थी?**
   (अ) 100-200 (ब) 1100-1200
   (स) 1760-2000 (द) 500-700

8. **1850 के दशक में मद्रास प्रेसीडेंसी में स्लीपरों के लिए सालाना कितने पेड़ काटे जाते थे?**
   (अ) 37,990 पेड़ (ब) 35,000 पेड़
   (स) 35,890 पेड़ (द) 38,000 पेड़

9. **सबसे अच्छे जंगलों को कहते हैं?**
   (अ) ग्रामीण वन (ब) सुरक्षित वन
   (स) आरक्षित वन (द) अनारक्षित वन

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. **भारतीय वन सेवा का प्रारम्भ कब हुआ?**

(अ) सन् 1874 (ब) सन् 1834

(स) सन् 1864 (द) सन् 1774

रिक्त स्थान :

11. एक या दो साल खेती करने के बाद जिस भूमि को खाली छोड़ दिया जाता है उसे ____________ कहते हैं।

12. छोटा नागपुर में आदिवासियों के विद्रोह का नेतृत्व ____________ ने किया।

सत्य / असत्य

13. भारतीय वन सेवा का प्रारम्भ सन् 1774 में हुआ।

14. एक या दो साल खेती करने के बाद जिस भूमि को खाली छोड़ दिया जाता है उसे बंजर भूमि कहते हैं।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. 1946 में भारत में रेल लाइनों की लंबाई क्या थी?

16. भारत के प्रथम वन महानिदेशक का नाम बताइए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. 1880 से 1920 के बीच भारतीय उपमहाद्वीप के वनाच्छादित क्षेत्र में 97 लाख नाख हेक्टेयर की गिरावट आयी। पहले के 10.86 करोड़ हेक्टेयर से घटकर यह क्षेत्र 9.89 करोड़ हेक्टेयर रह गया था। इस गिरावट में रेलवे की भूमिका बताएँ।

18. सन् 1880 से 1920 के बीच भारतीय उपमहाद्वीप के वनाच्छादित क्षेत्र में 97 लाख हेक्टेयर की गिरावट आयी। पहले के 10.86 करोड [3] C48 हेक्टेयर से घटकर यह क्षेत्र 9.89 करोड़ हेक्टेयर रह गया था। इस गिरावट में आदिवासी और किसान की भूमिका बताएँ।

निबंधात्मक प्रश्न

19. औपनिवेशिक काल के वन प्रबंधन में आए परिवर्तनों ने इन समूहों को कैसे प्रभावित किया:

i. झूम खेती करने वालों को

ii. घुमंतू और चरवाहा समुदायों को

iii. लकड़ी और वन-उत्पादों का व्यापार करने वाली कंपनियों को

20. बस्तर विद्रोह के मुख्य कारण क्या थे?

HOTS

21. उन्नीसवीं सदी में औद्योगीकरण के दौरान उपनिवेशों की क्या भूमिका थी? उदाहरण देकर समझाइए कि ब्रिटेन जैसे देश अपने उपनिवेशों का किस प्रकार उपयोग करते थे।"

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

अध्याय-4 | वन्य समाज एवं उपनिवेशवाद

Worksheet-1 उत्तरमाला

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (स) देहरा दून।

2. (स) 9.3%

3. (अ) भारत के पवित्र वनों को अनेकों नामों से जाना जाता है। सरना, कान, देवराकुड़ु आदि।

4. (ब) सभी

5. (अ) अंग्रेजों के आने के समय भारत का 1/6 भाग कृषि योग्य था।

6. (ब) परती भूमि एक दो साल में प्राकृतिक रूप से अपनी उर्वरा शक्ति प्राप्त कर लेती है।

7. (स) लंबाई, चौड़ाई की पैमाइश के बाद एक मील रेल पटरी बिछाने के लिए 1760-2000 स्लीपर की आवश्यकता पड़ती थी।

8. (ब) 35,000 पेड़

9. (स) ये जंगल आरक्षित वन होते हैं जहाँ सभी क्रियाएँ नियंत्रित होती हैं।

10. (ब) भारतीय वन सेवा का प्रारंभ सन् 1834 में हुआ।

11. रिक्त स्थान : परती

12. रिक्त स्थान : बिरसा मुंडा

13. सत्य / असत्य : असत्य

14. सत्य / असत्य : असत्य

15. 7,65,000 कि.मी.।

16. डायट्रिच ब्रौंडिस।

17. . रेलवे के विस्तार का वन क्षेत्रों की कमी में महत्वपूर्ण योगदान रहा। रेल की पटरियाँ बिछाने के लिए आवश्यक स्लीपरों के लिए भारी संख्या में पेड़ो को काटा गया। इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि 1 मील लंबी पटरी बिछाने के लिए लगभग 500 पेड़ों की आवश्यकता होती थी। रेलवे सैनिकों और वाणिज्यक वस्तुओं को एक जगह से दूसरी जगह तक लाने-ले जाने में सहायक था। इसलिए इस कार्य को बहुत तेजी से किया गया फलतः वनों का तेजी से ह्रास हुआ।

18. आदिवासी और किसान समूह ने अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए संघर्ष किया क्योंकि यह सरकार के हाथ अपनी वन संपदा खो चुके थे। किंतु अपनी जमीन वापस मिलते ही वह वापस अपने परंपरागत कार्यों पर लौट आए। यहाँ तक की स्वतंत्रता के उपरांत आज भी वन में ही रहना पसंद करते हैं।

19. i. झूम-खेती करने वालों को: यूरोपीय वन रक्षको की नजर में झूम खेती वनों के लिए नुकसानदेह थी। सरकार ने झूम खेती पर रोक लगाने का फैसला किया। परिणामस्वरुप उनके समुदायों को वनों में उनके घरों से जबरन हटा दिया गया। झूम खेती को अन्य नामों से भी जाना जाता है। जैसे- स्थानांतरित कृषि, श्रीलंका में चेना, हिंदेसिया में लदांग, एवं रोडेसिया में मिल्पा।

ii. घुमंतू और चरवाहा समुदायों को: (वह समुदाय जो अपने मवेशियों के लिए चरवाहों की तलाश में इधर-उधर भटकते है।) मद्रास प्रेसिडेंसी के कोरवा, कराचा व येरू कुला जैसे- अनेक चरवाहे और घुमंतू समुदाय को अपनी जीविका से हाथ धोना पड़ा एवं सरकार की निगरानी में फैक्टरियों, खदानों में काम करना पड़ा।

iii. लकड़ी और वन-उत्पादों का व्यापार करने वाली कंपनियों को: ब्रिटिश सरकार ने कई बड़ी यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों को विशेष इलाकों में वन उत्पादों के व्यापार की जिम्मेदारी सौंप दी। इससे भारतीय वन-उत्पादन व इमारती लकड़ी का व्यापार नष्ट हो गया।

iv. बागान मालिक को: यूरोपीय होने के कारण बागान मालिक लाभ प्राप्त करते थे।

v. शिकार खेलने वाले राजाओ और अंग्रेज अफसरों को: वैसे तो जंगल में शिकार करने पर रोक थी किंतु इसमें भेदभाव किया जाता था। इस प्रकार के नियम होने के बावजूद राजा महाराजा तथा ब्रिटिश अधिकारी इन नियमों का उल्लंघन करते हुए शिकार करते थे। क्योंकि बड़े जगली जानवरो को वे आदिम, असभ्य और बर्बर समुदाय का सूचक मानते थे।

मिशन ज्ञान पढ़ो: जब चाहो, जहाँ चाहो, जैसे चाहो!
100% FREE!
Video Courses | Quiz | DPP | Test Series
Download Mission Gyan App

20. बस्तर छत्तीसगढ़ के सबसे दक्षिणी छोर पर आध्र प्रदेश, उड़ीसा व महाराष्ट्र की सीमाओं से लगा हुआ क्षेत्र है। बस्तर में मरिया और मुरिया गोंड़, धुरवा, भतर, हलबा आदि अनेक आदिवासी समुदाय रहते हैं।

बस्तर विद्रोह के कारण:

i. बस्तर में अंग्रेजी सरकार की नीतियों के खिलाफ 1910 में विद्रोह हुआ। इसका नेतृत्व एक आदिवासी नेता गुंडा धुर के साथ-साथ राजा के एक दीवान और चचेरे भाई लाल करेन्द्र सिंह ने किया था।

ii. बस्तर विद्रोह का प्राथमिक कारण था। जंगलों के उपयोग के संबंध में ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियाँ ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार ने वनों को आरक्षित करना शुरू कर दिया था, जिसमे केवल कुछ निगमों को वन संसाधनों का दोहन करने की अनुमति थी।

iii. जिसके फलस्वरूप आदिवासियों को अपनी आजीविका के लिए जंगलों का उपयोग करने से रोक दिया गया और अनेको बार आदिवासी गावों का विस्थापन हुआ, जिससे औपनिवेशिक सरकार के खिलाफ व्यापक आक्रोश उत्पन्न हुआ।

21. उपनिवेशों ने औद्योगीकरण के दौरान औद्योगिक देशों के लिए कच्चे माल के स्रोत और तैयार माल के बाज़ार के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। ब्रिटेन जैसे देश भारत जैसे उपनिवेशों से कपास, अफीम, चाय और अन्य कच्चे माल का निर्यात करते थे और बदले में वहाँ अपने कारखानों में बने उत्पादों को बेचते थे।उदाहरण के तौर पर, भारत से कपास ब्रिटेन के मैनचेस्टर शहर भेजी जाती थी, जहाँ उसे प्रोसेस करके कपड़ा बनाया जाता था और वही कपड़ा दोबारा भारत में बेचा जाता था। इससे भारत एक कच्चे माल की आपूर्ति करने वाला और ब्रिटेन का तैयार माल खपत करने वाला उपभोक्ता बाज़ार बन गया। इस प्रकार उपनिवेशों ने औद्योगिक देशों की आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा दिया, जबकि स्वयं आर्थिक रूप से पिछड़ते चले गए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App